

हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार 24 अगस्त 2026

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव व उनके समर्थक रहे नदारद

सतीश सैनी ►► नारनौल

इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब के रेल संपर्क शुभारंभ समारोह में रेल को हरी झंडी दिखाने मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी रविवार नारनौल पहुंचे। पहले पटरी पर नारियल फोड़ा फिर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद अपने भाषण में सीएम नायबसिंह सैनी से स्पष्टता से कहा कि डॉ अभयसिंह यादव का सपने पर मनोहर खट्टर ने नींव रखी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से आज वह इस सपने को साकार कर रहे है। यह बात उन्होंने मीडिया से बातचीत में भी दो बार दोहराई। ऐसे में सीएम ने डा. अभयसिंह यादव की जहां तारीफ की, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव व उनके समर्थकों की गैरमौजूदगी की भी इस कार्यक्रम में चर्चा रही।

खबर संक्षेप

बिजली बिल संबंधी निवारण शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि 25 अगस्त को उपभोक्ताओं की बिजली बिल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष सुनवाई शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक चलेगा, जिसमें शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ता अपनी बिजली बिल संबंधी समस्याएं दर्ज करवा सकेंगे।

श्रीराम की लीलाओं के मंचन का पूर्व अभ्यास आज से

महेंद्रगढ़। शहर की सब्जी मंडी के नजदीक स्थित श्री आदर्श रामलीला कमेटी के भव्य रंगमंच पर भगवान श्री राम की मानवीय लीलाओं के मंचन का पूर्व अभ्यास सोमवार 24 अगस्त से शुरू होगा। ऑडिटर तथा रिहर्सल संयोजक लक्ष्मी नारायण सैनी ने बताया कि भगवान श्री राम की मानवीय लीलाओं के मंचन के पूर्व अभ्यास का गणेश पूजन सोमवार शाम 7:00 बजे किया जाएगा। रामलीला मंचन का पूर्व अभ्यास रात्रि 8:00 बजे से 11:00 बजे तक किया जाएगा। उप कलाकार प्रधान राहुल यादव ने रामलीला के पदाधिकारियों से पूर्व अभ्यास में पहुंचने का आग्रह किया।

किसानों के ट्यूबवेलों से बिजली केबल चोरी

नारनौल। अटेली क्षेत्र में दो किसानों के ट्यूबवेलों से बिजली की केबल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने किसानों की शिकायत पर नामजद आरोपित व उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अटेली थाना में पुलिस को दी शिकायत में गांव मोहनम्बदपुर (मोहनपुर) निवासी रविंद ने बताया कि उसका ट्यूबवेल सिलापुर से घड़ी वाले रास्ते पर स्थित है। 20 अगस्त को दिन के समय ट्यूबवेल की मोटर सामान्य रूप से चल रही थी। अगले दिन 21 अगस्त की सुबह जब वह ट्यूबवेल पर पहुंचा, तो देखा कि ट्यूबवेल के कोठरे से बेरखेल तक लगी करीब 40 से 50 फीट बिजली की केबल किसी अज्ञात

मोदी का आशीर्वाद, अभयसिंह का सपना, मनोहर की नींव व अब नायब से लॉजिस्टिक हब की शुरुआत कर सपना किया साकार

मीडिया के इन सवालों का दिया सीएम ने जवाब

हरिभूमि ने सीएम से पूछा कि अमी आपने लॉजिस्टिक हब को लेकर भाषण में कहा कि डॉ अमरसिंह यादव का सपना, मनोहरलाल ने नींव रखी और अब आप उस सपने को साकार कर रहे हैं, क्या कहेंगे? सीएम ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आशीर्वाद के बारे में भी तो कहा है। उन्हीं की दिशा निर्देश के अंदर यह सब चला है। प्रधानमंत्री का जो विकसित भारत का सपना है, यह वहीं तो विकसित भारत है। दुनिया के बाजार को जोड़ने के लिए अब हमने पहले ही व्यवस्था खड़ी कर रहे हैं। मीडिया ने सीएम से सवाल किया कि लॉजिस्टिक हब सरकार की महत्वकांक्षी योजना है। इस योजना का सुयोजना तरीके से दुसंप्रचार किया जा रहा है कि जमीन खरीद में भ्रष्टाचार हुआ है। यह प्रचार करने वाले भी बीजेपी के ही नेता हैं। इस सवाल पर सीएम ने कहा कि क्या बात छेड़ दी। इतने बड़े लॉजिस्टिक हब से यह क्षेत्र आर्थिक रूप से मजबूत होगा। आज यहां पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई है। यह क्षेत्र एक आर्थिक राजनीति के रूप में विकसित होगा। आप देखे साल 2014 के बाद यह क्षेत्र हरामरा दिखाई देने लगा है। इससे पहले यहां रेत ही रेत दिखाई देती थी। कुछ लोग है जो दुसंप्रचार करते ही है। उनको तो कोई अच्छी चीज भी हो, उसके अंदर भी सबसे पहले खदे हो जाएंगे। उन्हें काम तो कोई रहा नहीं। झूठ बोल रहे है सारे दिना। झूठ बोलकर अपना काम चला रहे है। मुद्दा है नहीं। मुद्दा नहीं है तो उन्हें झूठ तो बोलना पड़ेगा। मेरा आग्रह है सभी से कि विपक्ष के इस झूठे झंसे में नहीं आना चाहिए। आज देश नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बढ़ रहा है। उसको स्पॉट करनी चाहिए। नरेंद्र मोदी की लिस्ट में यह स्थान पहले नंबर पर है। इस कार्य को पूरा करेंगे। ताकि इस क्षेत्र का विकास हो, यहां के युवाओं को रोजगार मिल



नारनौल। मीडिया से बातचीत सीएम नायबसिंह सैनी। फोटो: हरिभूमि

सके। हमारे किसान समृद्ध हों। नारनौल, महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी सहित आस पास का माल दुनिया के अलग अलग हिस्से में जाएगा। यह बहुत बड़ी कल्पना है। मंडिकल कॉलेज कोरियावास के सवाल पर सीएम ने कहा कि वहां एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। कोई नई चीज आती है तो धीरे धीरे करके सभी सुविधाएं भी पूरी होंगी।

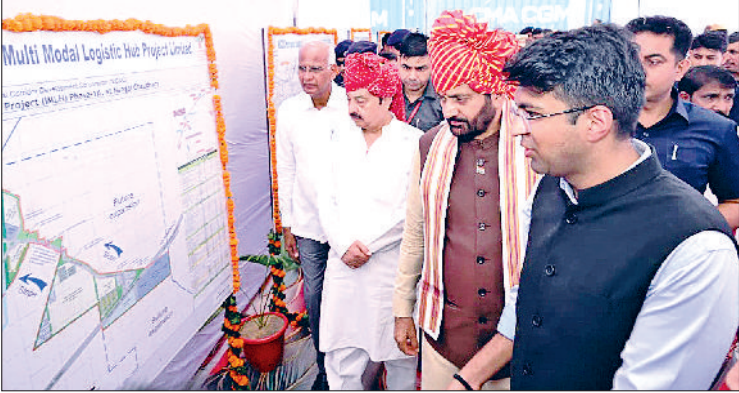
अब विपक्ष के भ्रमजाल में नहीं आएंगी जनता : मुख्यमंत्री

नांगल चौधरी बनेगा देश की नई आर्थिक राजधानी: नायब सैनी

» **विकसित भारत का सपना हो रहा साकार, हरियाणा के हर जिले को मिली एक्सप्रेस वे की सीगात: मुख्यमंत्री**

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नांगल चौधरी क्षेत्र में इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब के रेल संपर्क शुभारंभ समारोह के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि यह समूचा क्षेत्र आने वाले समय में देश की एक बड़ी आर्थिक राजधानी के रूप में उभरने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से इस परियोजना की मजबूत नींव रखी गई थी, जो आज साकार रूप ले रही है। निजी क्षेत्र के कई बड़े निवेशक इस परियोजना में गहरी रुचि दिखा रहे हैं, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में हुए बुनियादी ढांचे के



नारनौल। रेल कनेक्टिविटी मैप को देखते सीएम नायबसिंह सैनी।

फोटो: हरिभूमि

विकास को रेखांकित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से पहले जहां चंडीगढ़ से नांगल चौधरी पहुंचने में 10 घंटे लग जाते थे, वहीं अब आधुनिक एक्सप्रेसवे के निर्माण से यह दूरी बेहद कम समय में तय हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हरियाणा का प्रत्येक जिला चार मार्गीय और हरित गलियारा एक्सप्रेसवे से सीधे जुड़ चुका है। पहले उद्योग लगने के बाद परिवहन साधन जुटाए जाते थे, परंतु वर्तमान सरकार ने देश विश्व स्तरीय परिवहन व्यवस्था खड़ी की है ताकि महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और आसपास के किसानों, व्यापारियों तथा

उद्योगपतियों का उत्पाद सीधा मुंबई बंदरगाह के रास्ते वैश्विक बाजारों तक अत्यंत तीव्र गति से पहुंच सके। यह परियोजना हरियाणा के साथ-साथ पड़ोसी राज्य राजस्थान के आर्थिक विकास के लिए भी एक मील का पत्थार साबित होगी। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जनता उनके झूठे दावों और झंसे में नहीं आएंगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री को विकास प्राथमिकताओं में यह क्षेत्र शीर्ष स्थान पर है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए कार्यों के

» ये रहे मौजूद

इस मौके पर एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक सुशील सारवान, उपायुक्त अनुपमा अंजली, पुलिस अधीक्षक दीपक, रेलवे से एडी इफ़्ता मनीष अवस्थी, जीएम सिक्कोरिटी जितेंद्र श्रीवास्तव, सीजीएम विवेक त्यागी, बीजेपी के जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव, पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, पूर्व विधायक सीताराम यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविंद भारद्वाज, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, हरियाणा महिला आयोग की सदस्या भारती सैनी, नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी के अलावा अन्य गणमन नागरिक मौजूद थे।

संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि स्थानीय नेतृत्व की लंबे समय से चली आ रही मांग के अनुसार क्षेत्र में महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास भी शुरू हो चुका है, जहां विद्यार्थियों की एमबीबीएस की कक्षाएं विधिवत रूप से चल रही हैं। बुनियादी ढांचे के पूर्ण विकास के साथ यह पूरा क्षेत्र समृद्धि और औद्योगिक प्रगति का एक नया केंद्र बनकर उभरेगा। इस दौरान नारनौल विधायक ओम प्रकाश यादव ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया व महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव ने उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

यात्रियों को मिलेगा लाभ

50 बसों के संचालन के लिए 66 चालक और 75 परिचालकों की नियुक्ति

वर्षों पुराना इंतजार आखिरकार खत्म, सब डिपो चालू, लंबे रूट के यात्रियों को मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

क्षेत्रवासियों का वर्षों पुराना इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। स्थानीय भाजपा विधायक कंवर सिंह यादव के लगातार प्रयासों के बाद महेंद्रगढ़ रोडवेज सब-डिपो चालू कर दिया गया है। विभाग की ओर से 50 बसों के संचालन के लिए शुक्रवार को 66 चालक और 75 परिचालकों की नियुक्ति कर दी गई थी। अब इन कर्मचारियों ने सब डिपो में अपने अपने पदों पर कार्य शुरू कर दिया है। महेंद्रगढ़ में रोडवेज सब-डिपो और वर्कशॉप का भवन लंबे समय से बनकर तैयार था, लेकिन संचालन शुरू नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही थी। सब-डिपो शुरू करवाने की मांग को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने कई बार धरने-प्रदर्शन किए और अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे। विधायक कंवर सिंह यादव ने इस मांग को सरकार और परिवहन विभाग के समक्ष प्रमुखता से उठाया था।



महेंद्रगढ़। सब डिपो के चालू होने के बाद सब पर लिखा उपकेंद्र महेंद्रगढ़ का दृश्य। फोटो: हरिभूमि

ग्रामीण रूटों पर मिलेगी परिवहन सुविधा

सब-डिपो के संचालन से महेंद्रगढ़ क्षेत्र के ग्रामीण रूटों पर रोडवेज बसों की संख्या बढ़ेगी। अब तक ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को निजी वाहनों अथवा दूसरे डिपो की सीमित बस सेवाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। बस सेवा बढ़ने से विद्यार्थियों, नौकरपेशा लोगों और आम यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। धार्मिक और तीर्थ स्थलों के लिए भी बसों की सुविधा उपलब्ध होने की उम्मीद है।

रात के समय भी यात्रियों को राहत

सब-डिपो के पूर्ण रूप से संचालित होने के बाद देर रात तक यात्रा करने वाले यात्रियों को भी सुविधा मिलने की संभावना है। रात्रि बस सेवाएं शुरू होने से आपातकालीन परिस्थितियों में शहर से बाहर आने-जाने वाले लोगों को राहत मिलेगी। सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोड़ा सहित अन्य लोगों ने विधायक कंवर सिंह यादव का आभार जताते हुए कहा कि सब-डिपो का संचालन शुरू होना महेंद्रगढ़ की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की दिशा में बड़ा कदम है। हालांकि विभिन्न संगठनों का कहना है कि शहर की एक मांग पूरी हुई है, लेकिन जिला मुख्यालय की मांग अभी अधूरी है। आगामी 17 सितंबर को मुख्यमंत्री के महेंद्रगढ़ आगमन पर क्षेत्र के विकास को लेकर कई बड़ी घोषणाओं की उम्मीद भी जताई जा रही है। सब डिपो के चालू होने पर पचास बसों पर उपकेंद्र महेंद्रगढ़ लिखा जा चुका है। सब डिपो को 34 बड़ी बसें, 13 मिनी बस व 3 तीस किलोमीटर वाली मिली है।

■ यादव सभा की एडहॉक कमेटी की बैठक में चर्चा

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

यादव सभा की एडहॉक कमेटी की एक बैठक रविवार को यादव धर्मशाला, राव तुलाराम रोड स्थित सभा के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में नगरपालिका द्वारा राव तुलाराम मार्ग का नाम बदलकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग किए जाने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर नगर पालिका के इस निर्णय का पुरजोर विरोध किया गया।

यादव सभा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि राव तुलाराम हरियाणा के महान स्वतंत्रता सेनानी और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक थे। उनके नाम पर लंबे समय से मार्ग का नामकरण किया गया है, इसलिए इसका नाम बदला जाना उचित नहीं है।

11 दिखने लगा जलवायु परिवर्तन व अल नीनो...
6 बैड के सहारे चल रहा नागरिक अस्पताल...
12



मुझे गर्व मैं डॉ. अमरसिंह यादव का मतीजा : डॉ. यशपाल

मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ. यशपाल यादव (आईएसएस) ने कहा कि इस धरती से जुड़ा बड़ा मेहनती किसान है। यहां के बड़ादूर सैनिक है। इस जिला विशेषकर दक्षिणी हरियाणा में यह बड़ी कमी थी कि यहां कोई बड़ा उद्योग नहीं था। इसलिए यहां बड़े उद्यमी नहीं थे। आज जिस महान धरती के इस जमीन पर पांव पड़े है, उससे वो कमी भी पूरी हो गई है, ऐसे हमारे मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी है। जो सुबह से शाम तक सिर्फ एक ही चिंता करते है कि कैसे मैं अपने देश व प्रदेश के लोगों का भला कर सकूँ। कैसे वो अपनी टीम को मोटिवेट करते है। ऐसे सीएम का धन्यवाद करते हुए मुझे बड़ा हर्ष हो रहा है कि वैसे तो मैं आपकी टीम का हिस्सा हूँ लेकिन जोकि मैं इस क्षेत्र से आता हूँ। सर मैं बताना चाहता हूँ आस पास के इन गांव में खेला व पढ़ा हूँ। 15 साल पहले जब हम इस क्षेत्र में आते थे और अब आप यहां आए होंगे तो आपको सड़क के दोनों ओर हरा मरा नजर आया होगा। पहले ऐसा नहीं था। यहां पहले रेतली मिट्टी थी। धूल उड़ती थी। गर्मियों में आप यहां आ नहीं सकते थे। यहां एक ऐसे पुरुष हुए जिन्होंने हम जैसे को तो बनाया ही. इस धरती की प्यास बुझाई। मैं आपके समक्ष कहना चाहता हूँ कि मैं गर्व से कहता हूँ मैं उनका मतीजा हूँ। वे इस इलाके के बड़े नेता व बेटे है डॉ अमरसिंह यादव जी। उन्होंने एक सपना देखा था कि यहां के इलाके की प्यास बुझे बल्कि बड़े उद्योग भी आएँ। जब वह राजनीति उवाड़न करना चाहते थे, तब हमने पूछा था कि आप क्यों जाना चाहते हो वहां बहुत मारा मारी होती है, तब उन्होंने जवाब दिया था कि जो मुझे कुछ मिला है, उसे वापस लौटाना चाहता हूँ। मंत्री जी बता रहे थे कि इस लॉजिस्टिक हब के लिए उद्योगपतियों व निवेशकों से मिलने मुम्बई सीएम साहब जा रहे हैं। यह पूरा इलाका आपसे जुड़कर बहुत खुशी है, ऐसे में एक आम नागरिक होने के नाते कह रहा हूँ।



कनीना। डीएवी शिक्षण संस्थान के गेट पर बैठक करते प्रबुद्धजन। फोटो: हरिभूमि

कनीना में डीएवी इंजीनियरिंग कॉलेज को दोबारा शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ►► कनीना

कनीना क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा के प्रमुख केंद्र रहे डीएवी इंजीनियरिंग कॉलेज को पुनः शुरू करवाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। रविवार को नगर के पार्श्वी सुबेसिंह, होशियार सिंह, नितेश गुप्ता सहित प्रबुद्ध नागरिकों ने कॉलेज के मुख्य द्वार पर एकत्रित होकर बैठक की, जिसकी अध्यक्षता हरेंद्र शर्मा ने की।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि डीएवी मैनेजमेंट की ओर से जब तक संस्थान को दोबारा संचालित करने की दिशा में कोई

ठोस कदम नहीं उठाया जाता, तब तक कॉलेज के मुख्य द्वार पर सांकेतिक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि लगभग 58 एकड़ भूमि में फैला यह विशाल शिक्षण संस्थान वर्षों से बंद पड़ा है, जबकि एक समय यह कॉलेज कनीना व आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ पूरे हरियाणा व अन्य राज्यों के युवाओं के लिए उच्च और तकनीकी शिक्षा का एक बड़ा केंद्र हुआ करता था। स्थानीय लोगों ने प्रशासन व सरकार से इसे जल्द से जल्द फिर से शुरू करने की मांग की है।

पंप से महिला 1250 रुपये का पेट्रोल डलवाकर बिना पैसे दिए फरार

नारनौल। नांगल चौधरी रोड पर स्थित भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप से एक महिला 1250 रुपये का पेट्रोल डलवाकर बिना पैसे दिए फरार हो गई। महिला के साथ एक व्यक्ति भी कार में सवार था। पेट्रोल पंप मालिक के अनुसार गाड़ी नारनौल नंबरों की ही थी। शहर के आउटर में नांगल चौधरी रोड पर धौलेड़ा मोड़ से थोड़ा आगे भारत पेट्रोलियम का पेट्रोल पंप बना हुआ है। इस पंप पर सुबह करीब छह से साढ़े छह बजे के बीच में एक कार की चलाकर महिला आई। उसके साथ एक व्यक्ति भी बैठा हुआ था। उन्होंने कार में 1300 रुपये का पेट्रोल

डालने के लिए कहा। पेट्रोल पंप के मालिक विकास कुमार ने बताया कि सेल्समैन ने कार में जब तेल डाला, तो 1250 रुपये का पेट्रोल ही उसमें फरा हो गई। महिला के साथ एक व्यक्ति भी कार में सवार था। पेट्रोल पंप मालिक के अनुसार गाड़ी नारनौल नंबरों की ही थी। शहर के आउटर में नांगल चौधरी रोड पर धौलेड़ा मोड़ से थोड़ा आगे भारत पेट्रोलियम का पेट्रोल पंप बना हुआ है। इस पंप पर सुबह करीब छह से साढ़े छह बजे के बीच में एक कार की चलाकर महिला आई। उसके साथ एक व्यक्ति भी बैठा हुआ था। उन्होंने कार में 1300 रुपये का पेट्रोल

यादव सभा ने राव तुलाराम मार्ग का नाम बदलने का किया विरोध



महेंद्रगढ़। प्रस्ताव पारित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

बैठक चेयरमैन सतपाल यादव, पूर्व प्रधान अमर सिंह, पूर्व चेयरमैन सूरत सिंह, संजय राव, बाबूलाल यादव, सरपंच वीरभद्र, सरपंच प्रेम यादव, सरपंच हंसराज, एडवोकेट धर्मवीर यादव जगदीश बाबू, महावीर सिंह, लक्ष्मण सिंह, सतबीर सिंह, लालचंद, राजेंद्र सिंह, रामचरूप और कुशल सिंह मौजूद रहे।

कहानी

मनीषा मंजरी



खिड़की से आती सुबह की धूप उस मटमैली फ़ाइल पर लिखे अक्षरों को और भी उभार रही थी। संजय अपनी आँखें बंद किये वहीं सोफे पर बैठा था, कुछ क्षणों बाद उसने आँखें खोली और उस फ़ाइल को खोला, जिसमें अदालत की तारीख, संपत्ति के कागज और कुछ पुराने दस्तावेज़ थे। उसने एक-एक कर सारे कागज़ों को देखा और फिर फ़ाइल बंद कर दी।

उसकी नज़रें फिर सामने की दीवार पर टंगी घड़ी पर गईं, समय हो चला था उसे आज फिर अदालत जाना था। उसने कपड़े निकालने के लिए अलमारी खोली, तो हाथ अनायास ही सबसे ऊपर वाले खाने में रखे उस छोटे से पुराने डिब्बे तक पहुंच गए। उसे उठाया, तो उसके हाथ स्वतः ही कांप उठे। डिब्बा खोला तो अंदर रागिनी की बांधी हुई राखियां मुस्कुरा रही थीं। उसने कांपते हाथों से उन राखियों को छुआ, कुछ राखियों के रंग उतर चुके थे, कुछ के रेशम बिखरें थे, एक पुरानी राखी से सफ़ेद मोती धड़झड़ा कर नीचे गिरने लगे। वो झुका पर उन्हें थाम ना सका और मोती फर्श पर गिरकर बिखर गए। आंखें कुछ पल के लिए जैसे शून्य हो गईं और यादों ने जहन को घेर लिया।

“भैया, हाथ आगे करो।”

छोटी बहन रागिनी हर साल राखी बाँधते हुए इतनी गंभीर हो जाती थी जैसे कोई बहुत बड़ा संस्कार निभा रही हो, और फिर मिठाई से पहले अपना उपहार मांगती, “इस बार क्या लाए हो?”

संजय हँसकर कहता, “पहले राखी तो बाँधो।”

“नहीं। पहले बताओ।”

उन छोटी-छोटी बातों को याद करते हुए संजय के होंठों पर मुस्कान आई, लेकिन अगले ही पल वह मुस्कान बुझ गई। अदालत में प्रवेश करते हीं नजर सबसे पहले रागिनी पर पड़ी, उसने भी एक पल की नज़रें मिलायी और फिर ऐसे पलटी जैसे पहचानती हीं नहीं हो। यह वही अदालत थी, जहाँ पिछले तीन वर्षों से वह अपनी ही बहन के विरुद्ध खड़ा होता आया था। कभी जिस लड़की की छोटी-सी उंगली पकड़कर वह स्कूल छोड़ने जाता था, आज उसी के साथ उसके रिश्ते का फैसला कुछ कागज़ों और गवाहियों के बीच होना था। वो बहस आज भी उसके कानों में गूँजती थी, जिसने दोनों के रिश्तों के बीच खाई खींच दी थी।

“भैया, ये पापा का घर है, इसे बेचने का फैसला आप अकेले कैसे कर सकते हैं?”

तीन साल पहले रागिनी ने यही कहा था। संजय ने भी पलटकर कहा था, “मैं अकेले कहाँ कर रहा हूँ? पापा ने वसीयत में आधा हिस्सा मेरे नाम किया था।”

“और आधा मेरे नाम।”

“तो फिर समस्या क्या है?”

“समस्या यह है कि तुम घर बेचना चाहते हो और मैं नहीं।”

रक्षाबंधन का उपहार



अगले दिन दोनों फिर अदालत पहुंचे। वकील और कागज़ तैयार थे और मामला भी तैयार था, लेकिन इस बार दोनों के बीच कोई मुकदमा नहीं था। संजय ने न्यायाधीश के सामने कहा, “हमने फैसला कर लिया है। घर नहीं बिकेगा।” रागिनी ने आगे कहा, “हम उसे वैसे ही रखेंगे, और पापा का कमरा बंद नहीं होगा।”

उस दिन के बाद बातचीत धीरे-धीरे बहस में, बहस आरोपों में और आरोप मुकदमों में बदल गए। पिता की मृत्यु के बाद जिस घर में दोनों को एक-दूसरे का सहारा बनना चाहिए था, वही घर दोनों के बीच दीवार बन गया था।

वकील दस्तावेज़ देख रहे थे। न्यायाधीश ने पिछली सुनवाई की बातें पूछीं, और फिर कहा, “आपके पिता की मूल वसीयत मेरे सामने है। इसमें एक अतिरिक्त पन्ना भी संलग्न है। क्या दोनों पक्षों ने इसे पढ़ा है?”

दोनों ने एक-दूसरे की ओर देखा, और लगभग एक साथ कहा, “नहीं।”

न्यायाधीश ने वह पन्ना पढ़ने के लिए सामने रख दिया। वह उनके पिता की लिखावट थी। कुछ पंक्तियां पढ़ते ही संजय की उंगलियां कांपने लगीं। वसीयत में संपत्ति का बंटवारा तो स्पष्ट था, लेकिन अंत में एक शर्त लिखी थी,

“मेरे जाने के बाद यदि मेरे बच्चों के बीच इस घर को लेकर विवाद हो, तो इस घर का अंतिम फैसला किसी वकील या अदालत में नहीं, दोनों भाई-बहन को आमने-सामने बैठकर करना होगा। दोनों एक-दूसरे की एक बात बिना टोके सुनेंगे। उसके बाद जो निर्णय दोनों मिलकर लें, वही मेरी अंतिम इच्छा मानी जाएगी।”

वो कमरा कुछ पलों के लिए मौन हो उठा और फिर न्यायाधीश ने दोनों को देखते हुए पूछा, “क्या आप दोनों तैयार हैं?”

संजय और रागिनी दोनों ने हामी में सिर हिला दिया। अदालत के बाहर एक छोटे से कमरे में दोनों एक-दूसरे के आमने सामने बैठे, और साथ हीं बैठी तीन साल की नाराजगी। संजय ने एक गहरी सांस ली और फिर कहा,

“पहले तुम बोलो।”

रागिनी कुछ पल चुप बैठी रही और फिर उसने कहा,

“मुझे घर नहीं चाहिए, भैया।”

संजय ने चौंकते हुए कहा, “फिर?”

“मुझे वो घर चाहिए था जिसमें पापा थे।”

संजय की आंखें झुक गईं। रागिनी ने आगे कहा, “जब आपने घर बेचने की बात की, मुझे लगा आप पापा की आखिरी निशानी भी बेच देना चाहते हैं। मुझे लगा आपको उस घर से कोई लगाव नहीं रहा।”

संजय ने पहली बार उसकी ओर देखा,

“और मुझे लगा,” उसने धीरे से कहा, “कि तुम्हें घर चाहिए था, भाई नहीं।”

रागिनी की आंखों में आंसू आ गए,

“मैंने ऐसा कब कहा?”

“तुमने नहीं कहा, पर मैंने समझ लिया।”

दोनों कुछ देर चुप रहे। फिर संजय ने कहा, “मैं घर इसलिए बेचना चाहता था क्योंकि पापा के इलाज में जो कर्ज हुआ था, उसे चुकाना था। बैंक वाले लगातार फोन कर रहे थे। मैं तुम्हें बताना चाहता था, लेकिन?”

“तुम पहले से पापा को खोने के दुख में थीं। मुझे लगा तुम्हें और परेशान नहीं करूँ।”

रागिनी ने सिर उठाया,

“और मैंने समझा कि तुम पैसे के लिए घर बेचना चाहते हो।”

दोनों को अचानक एहसास हुआ कि तीन साल की लड़ाई किसी बड़े विश्वासघात की वजह से नहीं, बल्कि दो अधूरी बातों की वजह से थी।

कवि कॉर्नर

कविता

डॉ. कमलेश मलिक



इस बार सावन

कैसा है निगोड़ा सावन
बादल यूँ बरसे तालाब बना आँगन
सदियों से घरसे च्यासा यह तन मन

घुमड़- घुमड़ बदरा नभ में धिर जाता
उर्कटित होकर ज्यों धरती को तकता
धूमिल सी चुनरी को एक और सरका
प्रलयस्तित होकर वह झरझर सा झरता

गगन और वसुधा का कैसा आकर्षण
आत्मसात होकर क्यों गाया-मन-बंधन
कैसा है निगोड़ा

सावन पात-पात खिल जाता शाखा झटलाती
रोमांचित हो- हो कर आँवल लहराती सुंदर
पंख उठा कर मोर धिरकने लगते
बरखा सरगम सी रिमझिम रिमझिम गाती

विद्युत छटा निराली बहार बही मनमग्न
रोके ना रुके चित्त- चोर हुआ यह सावन
कैसा है निगोड़ा सावन

दोहे

भूपसिंह 'भारती'



रक्षाबंधन

राखी बाँधू बीर को, तिलक लगाऊँ माथ।
रक्षा मेरी सदा करे, देकर मेरा साथ॥

राखी का त्योहार है, सावन की सौगात।
कच्चा धागा प्रेम का, बहना बांधे भात॥

बहन भाई सदा करे, आपस में सम्मान।
भाई के दिल में रहे, बहना की ये जान॥

स्नेह, त्याग, अनुराग के, भाव भरे भरपूर।
बहना की राखी करे, वैरभाव को दूर॥

सावन की सौगात है, राखी के ये रँग।
रक्षाबंधन मन रहा, सदा प्रेम के रँग॥

सदा सावणी पूर्णिमा, आता ये त्योहार।
बांध पोंहती हाथ में, बहना करे दुलार॥

धागा बांधे प्रेम का, बहना भैया हाथ।
पानी पीया वार कर, किया अरता साथ॥

बाँधा कच्चा सूत है, भैया रखना लाज।
बंधन है ये नेह का, इस पर करना गाज॥

बहना मेरी लाटली, खूब गजब अंदाज।
सदा निमाऊँ शान से, राखी की मैं लाज॥

राखी तो विश्वास का, हो न्यारा त्योहार।
सदा कलाई पर सजे, बहना का ये प्यार॥

फेरों के बिना शादी और सबूत बिन सजा अधूरी

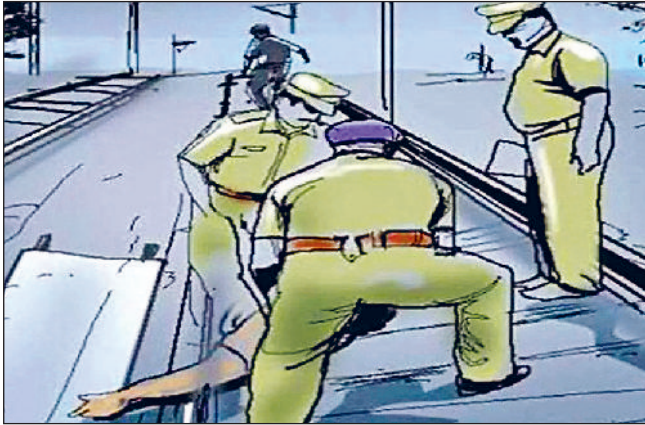
व्यंग्य

आसिम अनमोल



हमारे देश भारत में सबूत घूमता-फिरता बहुत है लेकिन आसानी से किसी के हथ्ये नहीं चढ़ता। जैसे फेरों के बिना शादी अधूरी। ठीक वैसे ही सबूत के बिना सजा अधूरी। अब पुलिस वालों को थोड़ा सोचना चाहिए कि इतने वर्षों में हमारे देश की आम जनता ने देश की सियासत के प्रति अपने दिलों में ढेरों अविश्वास इकट्ठा करके दिखा दिया, पर तुम एक सबूत इकट्ठा नहीं कर पाए। हमारी पुलिस भले ही सबूत इकट्ठा न कर पाए, परन्तु लोगों की भौड़ बड़ी खूबसूरती से डंडा फटकार-फटकार के इकट्ठा कर लेती है। लोगों की आनन-फानन की गवाही में ही सबूत को ढूँढ़ने और खखोड़ने का एक नायाब प्रयास करती है। असली सबूत न जाने कहां मटरगश्ती कर रहा होता है।

उल्लेखनीय है कि अगर सबूत ही इकट्ठा होने शुरू हो जाएंगे तो देश की अदालतों में बिना सबूत के सैकड़ों मामले पोंडिंग के रूप में अदालतों की शोभा कैसे बढ़ाएंगे? पुलिस का धन्यवाद प्रकट करना चाहिए कि आप सबूत का इतना उम्दा ख्याल रखते हैं कि बड़ी-बड़ी अदालतें तक सबूत की शकलों-सूरत को देखने के लिए



हर समय तरसती रहती हैं। जैसे विगत वर्षों में अनेक केसों में सबूत के लिए अदालतें तरसती रही हैं। पुलिस को गौर करना चाहिए कि सरकार तनखाह आपको सबूत इकट्ठा करने की देती है। घटनास्थल से खाली हाथ आने की नहीं। सबूत अगर आपको नहीं मिल रहा है तो सबूत का आप पता ढूँढ़िए। थोड़ी देर के लिए पोस्टमैन बन जाएं। मिलने

जब हम अपनी जीप लेकर पहुंचते तो तुम घटना स्थल पर हमको नज़र आ जाया करो। हमारी जान में जान आ जाएगी। तुम समझते क्यों नहीं कि तुम ही तो हादसे की ताकत हो। तुम्ही तो पहचान हो, अदालतों का सहारा हो।

पहुंचते तो हैं। तुम न जाने उस समय कहाँ खिसक लेते हो। जब हम अपनी जीप लेकर पहुंचा करें तो तुम घटना स्थल पर हमको नज़र आ जाया करो। हमारी जान में जान आ जाएगी। तुम समझते क्यों नहीं कि तुम ही तो हादसे की ताकत हो। तुम्ही तो पहचान हो। अदालतों का सहारा हो। बस तुम सामने आ जाया करो। सब समस्या हल हो जाया करेगी।

मोटिवेशनल

रुकना नहीं है : युवाओं के लिए सफलता का नया मंत्र

आज का युवा एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ अवसरों की कोई कमी नहीं है, लेकिन चुनौतियों भी पहले से कहीं अधिक हैं। हाथ में स्मार्टफोन है, दुनिया की जानकारी एक क्लिक पर है, नई तकनीकें तेजी से बदल रही हैं, लेकिन दूसरी ओर रोजगार की कितनी, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और भविष्य को लेकर असमंजस भी युवाओं के सामने बड़ी चुनौतियाँ हैं। भारत की युवा शक्ति विशाल है, लेकिन शिक्षा से रोजगार तक का सफर अभी भी अनेक युवाओं के लिए कठिन बना हुआ है। ऐसे समय में सबसे बड़ी जरूरत है, निराश होने की नहीं, स्वयं को बदलते समय के अनुसार तैयार करने की। आज केवल डिग्री प्राप्त कर लेना सफलता की गारंटी नहीं है। बदलती दुनिया में ज्ञान के साथ कौशल, संवाद क्षमता, समस्या समाधान, रचनात्मकता और नई तकनीकों को सीखने की इच्छा भी उतनी ही आवश्यक हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें काम करने के तरीके बदल रही हैं और अनुकूलन की क्षमता भविष्य की महत्वपूर्ण ताकत बनती जा रही है। लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि तकनीक कभी मेहनत, सोच और मानवीय संवेदनाओं का विकल्प नहीं बन सकती। जो युवा नई तकनीक को अपना सहयोगी बनाकर अपनी क्षमताओं को बेहतर करेगा, वही आने वाले समय में आगे बढ़ेगा। आज सोशल मीडिया पर हमें दूसरों की सफलता दिखाई देती है, लेकिन उनकी असफलताओं और संघर्षों की कहानी अक्सर दिखाई नहीं देती। किसी की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझना बंद करना होगा। हर व्यक्ति की यात्रा, परिस्थितियाँ और मंजिल अलग होती है। तुलना यदि करनी है तो कल के अपने आप से कीजिए।

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर



लघु कथा

रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर गुप्ता जी बहन के घर पहुंचे। भोजन के बाद संगीत की महफिल जम गई। उन्होंने अपनी नई गजालें सुनाईं। खूब वाह-वाह हुई। तभी छोटी बहन बबली मुस्कुराकर बोली, 'भैया, वाजले बहुत सुंदर हैं... पर उन्हें भी तो सुनाओ, जो तुम्हारी गजालों की असली प्रेरणा हैं।' 'अरे, बबली, तेरी भाभी को फुर्सत ही कहा है।' गुप्ता जी हसकर बोले। बबली की मुस्कान गंभीर हो गई। 'फुर्सत मिले भी तो कैसे? छोटे बच्चे, घर, बाहर के काम, रिश्तेदारियां... सब भाभी संभालती हैं और तुम ? बैंक, टीवी और वाजल। कभी उनके हिस्से का थोड़ा-सा जीवन भी जीकर देखो, शायद तुम्हारी वाजलों में और भी सच्चाई उतर आए।' पहली बार महफिल में सन्नाटा छा गया। घर लौटते ही गुप्ता जी ने कहा, 'रीना, आज से बैंक, बाजार, बिल और बाहर के सारे काम मैं देखूंगा, तुम घर और बच्चे देखो।' रीना ने उनकी ओर देखा पर विश्वास नहीं कर पाई। लेकिन गुप्ता जी ने सोच लिया था। इस बार इरादा सच निकला। धीरे-धीरे घर का बोझ हट गया। घर में सुकून गहराने लगा। रीना के चेहरे पर बरसों बाद खाली समय की मुस्कान लौट आई। एक शाम गुप्ता जी अपनी नई वाजल रीना को सुना रहे थे और रीना मुस्कुरा रही थी।

कुछ हटकर

बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी के बाद करियर



डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (बी.एम.एल.टी.) तीन/चार वर्षीय व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्सा प्रयोगशालाओं में रोगों की पहचान, परीक्षण, विश्लेषण एवं रिपोर्टिंग से संबंधित वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में मुख्य रूप से विलिनकल पेथोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, हेमेटोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, हिस्टोपैथोलॉजी, ब्लड बैंकिंग, मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स, लैब इंस्ट्रुमेंटेशन, क्वालिटी कंट्रोल तथा बायोसेफ्टी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। किसी भी बीमारी का सही उपचार उसकी सटीक जांच एवं निदान पर निर्भर करता है।

विशेषज्ञताएं

- विलिनकल पेथोलॉजी
- विलिनकल बायोकेमिस्ट्री
- माइक्रोबायोलॉजी
- हेमेटोलॉजी
- हिस्टोपैथोलॉजी एवं साइटोलॉजी
- ब्लड बैंक एवं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन
- मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स
- इम्यूनोलॉजी एवं सीरोलॉजी
- विलिनकल रिसर्च एवं ट्रायल्स
- क्वालिटी कंट्रोल एवं लैब मैनेजमेंट

इन विशेषज्ञताओं का उपयोग मल्टीस्पेशियलिटी में उपयुक्त स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, डायग्नोस्टिक चेन, मेडिकल रिसर्च संस्थानों, फार्मास्यूटिकल कंपनियों, ब्लड बैंकों में किया जाता है।



आवश्यक कौशल

- आधुनिक लैब उपकरणों का संचालन एवं रखरखाव
- सैपल कलेक्शन एवं प्रोसेसिंग तकनीकें
- गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन
- प्रयोगशाला सुरक्षा एवं बायोसेफ्टी प्रोटोकॉल
- रिपोर्ट विश्लेषण एवं डेटा प्रबंधन
- कंप्यूटर एवं लैब इन्फॉर्मेशन सिस्टम

निजी क्षेत्र में विकल्प

■ स्वास्थ्य सेवाओं एवं डायग्नोस्टिक उद्योग के तेजी से विस्तार के कारण मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

आय-सीमा (निजी क्षेत्र)

■ फ्रेशर: लगभग 2.8–5.5 लाख वार्षिक (संस्थान, शहर एवं कौशल पर निर्भर)

■ अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग 6–12 लाख वार्षिक; बड़े कॉर्पोरेट हॉस्पिटल्स एवं राष्ट्रीय डायग्नोस्टिक चेन में अधिक अवसर संभव हैं।

सरकारी क्षेत्र में करियर विकल्प

सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों तथा अनुसंधान संस्थानों में भी मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट की माना निरंतर बनी रहती है।

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र)

■ फ्रेशर: लगभग 3–6 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)

■ अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग 7–12 लाख वार्षिक; वरिष्ठ तकनीकी एवं प्रशासनिक पदों पर अतिरिक्त अवसर उपलब्ध हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

© 2026 हरिभूमि. All rights reserved. | 10

खबर संक्षेप

कनिष्का वशिष्ठ ने जन्मदिन पर की गोसेवा

नारनौल। कनिष्का वशिष्ठ ने अपना जन्मदिन श्री अनाथ गोशाला में स्वामणि करके मनाया। आधुनिक युग की चकाचौंध को त्याग कर कनिष्का वशिष्ठ ने समर्पित भाव से गोमाता की विधिवत पूजा अर्चना कर अपने जन्मदिन को गोमाता के प्रति समर्पित किया। कनिष्का वशिष्ठ बचपन से ही गो भक्ति तथा पार्यावरण प्रेमी रही है। एमबीए की छात्रा कनिष्का वशिष्ठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन एक पेड़ मां के नाम का संकल्प दोहराते हुए एक वर्ष में पौधे लगाने की प्रतिज्ञा भी की। इस अवसर पर कनिष्का वशिष्ठ ने उपस्थित गो प्रेमियों को पौधरोपण करने की शपथ दिलाई। इस मौके पिता वैद्य किशन वशिष्ठ, पंडित खेमचंद शर्मा, चौधरी राजकुमार एंडवोकेट, मुकेश वालिया आदि मौजूद थे।

गोसेवा मंडल के सानिध्य में लगाई स्वामणियां

नारनौल। गोसेवा मंडल के सानिध्य में शहर की अलग-अलग गोशालाओं में तीन स्वामणियां श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ आयोजित की गई। पहली स्वामणी श्री उपचार गोशाला में विनीत जी पिलानिया आर्यवर्त सेवा निवास की ओर से लगाई गई। बीमार गोमाताओं को दलिया एवं हरी चरी खिलाकर उनकी सेवा की गई। दूसरी स्वामणी श्री अनाथ गोशाला में श्री श्याम कृपा हुड़ा ग्रुप की ओर से आयोजित की गई। वहीं तीसरी स्वामणी अन्तर सिंह यादव फरीदाबाद की ओर से आयोजित की गई। इस मौके पर गोशाला प्रधान उज्जन पाल, सुनील यादव, सत्यपाल यादव, रमेश यादव, मुकेश वालिया, अजीत यादव, संतोष नीरपुर, खेमचंद शर्मा, राजेश यादव, सुरेश आदि मौजूद थे।

सलामपुरा से निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। श्री राधे राधे मित्र मंडल प्रभातफेरी संगठन की ओर से रविवार को 10वाँ प्रभात फेरी मोहल्ला सलामपुर से निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य यजमान कुलदीप यादव परिवार के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्वलित कर किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्य मीनाक्षी शर्मा, प्रेम देवी व महिला मंडल की सभी सदस्य भक्ति गीतों पर नाचते गाते हुए यात्रा में शामिल हुईं। ढोल मृदंग और मंजीरों की मधुर धुन के साथ राधे-राधे नाम का संकीर्तन ने राधा नाम का गुणगान करते हुए प्रभातफेरी निकाली गई।

कार्यकर्ताओं पर निर्भर होती है संगठन की मजबूती

हरिभूमि न्यूज़ ►► नांगल चौधरी

नांगल चौधरी मंडल के शक्ति प्रमुखों की बैठक रविवार को मंडल प्रधान कर्मबीर यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। दयाराम यादव ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं पर निर्भर करती है। इसलिए प्रत्येक शक्ति प्रमुख अपने-अपने बूथ पर कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें और आमजन से संवाद कर उनका

महेन्द्रगढ़ जिले में फिलहाल अच्छी बारिश के आसार नहीं, उमस व बढ़ते तापमान से आमजन भी बेहाल

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

हरियाणा, एनसीआर व दिल्ली में लगातार कमजोर पड़ रही मानसूनी गतिविधियों ने मौसम के साथ-साथ किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। एक ओर प्रदेश के उत्तरी जिलों में मानसून ट्रफ की सक्रियता के कारण कहीं-कहीं बारिश की गतिविधियां जारी हैं, वहीं दक्षिणी व पश्चिमी हरियाणा में लंबे समय से अपेक्षित बारिश नहीं होने से सूखे जैसे हालात बनने लगे हैं। विशेषकर महेन्द्रगढ़ जिले सहित दक्षिणी हरियाणा के कई क्षेत्रों में खरीफ फसलों नमी की कमी के कारण प्रभावित होने लगी हैं और किसानों को सूखती फसलों को बचाने के

कहीं बारिश तो कहीं सूखे जैसे हालात, दक्षिणी हरियाणा में सूखने लगी फसलें, किसान करने लगे सिंचाई दिखने लगा जलवायु परिवर्तन व शुष्क मौसम ने बढ़ाई चिंता



नारनौल। बारिश के अभाव में सूखने लगी फसल।

फोटो: हरिभूमि

लिए सिंचाई का सहारा लेना पड़ रहा है। वर्तमान मौसम परिदृश्य में जलवायु परिवर्तन और अल नीनो जैसे वैश्विक मौसमी प्रभावों का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मौसम की अनिश्चितता बढ़ने से कहीं सामान्य से अधिक बारिश और बाढ़

जैसी स्थिति बन रही है, तो कहीं लंबे समय तक बारिश नहीं होने से सूखे की स्थिति पैदा हो रही है। यही कारण है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून का वितरण असमान बना हुआ है। जहां कुछ क्षेत्रों में लोग बारिश के लिए तर्स

जिले के किसानों के लिए चिंता का विषय

महेन्द्रगढ़ जिले के किसानों के लिए चिंता का विषय यह है कि फिलहाल जिले में व्यापक और अच्छी बारिश की संभावना नहीं दिखाई दे रही है। खेतों में नमी तेजी से कम हो रही है और जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा है, वे फसलों को बचाने के लिए पानी देने को मजबूर हैं। बारिश में देरी से विशेष रूप से वर्षा पर निर्भर खरीफ फसलों पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में पर्याप्त बारिश नहीं हुई, तो उत्पादन प्रभावित हो सकता है। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार अगले 12 घंटों के दौरान मौजूब मौसम पणाली के पूर्वी राजस्थान के आसपास पहुंचने से 24 अगस्त को

हरियाणा के उत्तरी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना बन सकती है। हालांकि शेष हरियाणा एनसीआर व दिल्ली में केवल बिखराव वाली छिटपुट हल्की बारिश या बूंदबांंदी ही देखने को मिल सकती है। इसके बाद मानसून ट्रफ के एक बार फिर तराई क्षेत्रों की ओर खिसकने से मानसून बेक जैसी स्थिति बनने की संभावना है। ऐसे में आने वाले दिनों में दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के लगातार प्रभाव से प्रदेश के बड़े हिस्से में मौसम परिवर्तनशील, लेकिन मुख्य रूप से शुष्क बना रह सकता है। बारिश की कमी और उमस भरी गर्मी का दोहरा असर किसानों और आमजन दोनों की परेशानी बढ़ा सकता है।

रे हैं, वहीं कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। वर्तमान में राजस्थान पर बने प्रति-चक्रवातीय सर्कुलेशन के प्रभाव से दक्षिण-

पश्चिमी हवाएं सक्रिय हैं। इन हवाओं के कारण हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली के पश्चिमी तथा दक्षिणी हिस्सों में मानसूनी हवाओं की सक्रियता कमजोर पड़ गई है। इसका

सीधा असर दक्षिणी हरियाणा के जिलों पर दिखाई दे रहा है, जहां दिन का तापमान बढ़ने के साथ उमसभरी और पसीना छड़ाने वाली गर्मी लोगों को परेशान कर रही है।

उत्तरी जिलों में बारिश, दक्षिणी हरियाणा में शुष्क मौसम

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन के अनुसार वर्तमान में हरियाणा, एनसीआर व दिल्ली में केवल उत्तरी और पूर्वी जिलों में हल्की मानसूनी गतिविधियां देखने को मिल रही हैं, जबकि पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में मानसून लगातार कमजोर बना हुआ है। राजस्थान की ओर से आ रही गर्म और दक्षिण-पश्चिमी हवाएं मानसूनी हवाओं की सक्रियता को प्रभावित कर रही हैं। इसके चलते मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील होने के बावजूद शुष्क बना हुआ है। आगामी दिनों में मानसून ट्रफ के तराई क्षेत्रों की ओर जाने से मानसून बेक की स्थिति बन सकती है। केवल कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश या बूंदबांदी की संभावना है।

गुडविल मिडिल स्कूल में मनाया ‘जश्न-ए-आजादी’ काव्योत्सव

काव्योत्सव में देशभक्ति रचनाओं से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से रविवार को गुडविल मिडिल स्कूल मोहल्ला चांदवाड़ा में जश्न-ए-आजादी काव्योत्सव का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। ट्रस्ट की साहित्यिक इकाई के प्रभारी ओशिन शुक्ला ने बताया कि देशभक्ति, साहित्य और सामाजिक चेतना से ओतप्रोत इस काव्य समारोह में क्षेत्र के प्रतिष्ठित साहित्यकारों व कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से स्वतंत्रता के महत्व, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जिम्मेदारियों तथा मानवीय संवेदनाओं को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार दलबीर सिंह ने की तथा विरिष्ठ अतिथि समाजसेवी रामानंद अग्रवाल बैद्यनाथ ट्रस्ट व पूर्व सैनिक रोहतास शर्मा थे। इसके अलावा प्रसिद्ध गजलकार प्रमोद वत्स नांगल चौधरी व डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज का सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन ट्रस्ट की साहित्यिक इकाई प्रभारी ओशिन शुक्ला साक्षी ने किया। आभार केसरी नंदन सैनी ने व्यक्त किया। अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया



नारनौल। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

श्रोताओं को किया प्रेरित

वहीं सामाजिक विसंगतियों, बदलते जीवन-मूल्यों, मानवीय रिश्तों व वर्तमान समय की चुनौतियों को केंद्र में रखकर प्रस्तुत की गई रचनाओं ने श्रोताओं को गंभीरता से सोचने के लिए भी प्रेरित किया। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि ट्रस्ट शिक्षा के साथ-साथ साहित्य, संस्कृति,

पर्यावरण, राष्ट्र चेतना और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'जश्न-ए-आजादी काव्योत्सव' का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखकर उसे साहित्य और विचार की शक्ति से जोड़ना है।

कि दादरी से आए सयेंद्र जाखड़, रेवाड़ी से पहुंचे कुमार विकास व चंद्रकांत गर्ग ने अपनी रचनाओं से समां बांध दिया। स्थानीय कवियों में ममता शर्मा अटेली, रामभतेरी वर्मा, धर्मसिंह प्रवक्ता, डॉ. पंकज गौड़, भूपसिंह भारती, ओशिन शुक्ला ने

भी शानदार प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। काव्योत्सव में वरिष्ठ साहित्यकारों व कवियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों को अपनी रचनाओं के माध्यम से नमन किया। ओंज, वीर रस और

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रामानन्द अग्रवाल, सुरेश शर्मा, अमीचंद सैनी, परमानन्द दीवान, नरोत्तम सौनी, हन्नी गुप्ता, सोनाली, रीना, बनवारी लाल एडवोकेट, कृष्ण शर्मा, एडवोकेट अजय शर्मा, दीपक शर्मा, दुष्यंत छक्कड़, पवन शुक्ला, विजय भागव, केसरी नन्दन, राकेश शर्मा, दिनेश शर्मा प्राचार्य, राजकुमार सैनी, राजेश कुमार, रोहतास शर्मा, नरेंद्र, प्रमोद शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, देवीलाल आदि मौज रहे।

देशभक्ति से परिपूर्ण कविताओं ने श्रोताओं में उत्साह और राष्ट्रभाव का संचार किया।

महाशय खूबराम की स्मृति में लगाया शिविर, 50 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज़ ►► कनीना

सामाजिक सरोकार व मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए गांव सीहोर स्थित बाबा ब्रह्मचारी मंदिर परिसर में रविवार को स्वर्गीय महाशय खूबराम आर्य की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें गांव में दूर दराज से आए रक्तदाताओं ने हिस्सा लिया। केप्टन सुकमपाल लांबा ने बताया कि इस शिविर में रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल व नागरिक अस्पताल नारनौल की ब्लड बैंक टीम का सहयोग रहा। उन्होंने संदेश दिया कि रक्तदान महादान है, एक यूनिट रक्त किसी गंभीर रूप से



कनीना। सीहोर में आयोजित रक्तदान शिविर।

फोटो: हरिभूमि

बीमार या दुर्घटनाग्रस्त एवं जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। सुबेदार बलवंत सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर को

लेकर ग्रामीणों और युवाओं में खासा उत्साह बना हुआ था। दोपहर तक करीब 50 यूनिट रक्त एकत्रित कर लिया गया था।

कांग्रेस की समीक्षा बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर मंथन



मंडी अटेली। ब्लॉक सिंहमा में रविवार को कांग्रेस की ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिला अध्यक्ष सतवीर झुनिया द्वारा कि गई। वहीं कैसीसी के जिला प्रधान राजन यादव एवं ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर यादव ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। इस बैठक में बूथ एवं ब्लॉक स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सतवीर झुनिया ने कार्यकर्ताओं की 27 अगस्त को नारनौल के मिलन गार्डन में आयोजित होने वाली संवाद बैठक का निमंत्रण भी दिया। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर यादव, जिला महासचिव राजवीर सिंह, जिला सचिव नरेंद्र सिंह, रणवीर सिंह, कैसीसी के विधानसभा अध्यक्ष अनिल यादव, महिपाल, भूपेंद्र लंबदार, वीरेंद्र सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नलवाटी क्षेत्र को फिर मिली निराशा: विजय

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

निजामपुर में बनने वाले लॉजिस्टिक हब के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम को जल्दबाजी में पूरा करने पर जननायक जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने सरकार पर हमला बोला है। विजय छिलरो ने कहा कि नागल चौधरी व नलवाटी क्षेत्र के लोगों को इस आयोजन से बड़ी उम्मीदें थी।

जनता को विश्वास था कि मुख्यमंत्री लॉजिस्टिक हब के लिए कोई विशेष घोषणा करेंगे और नागल चौधरी हलके के विकास के लिए स्पेशल ग्रांट की सीगात पंने, लेकिन लोगों की उम्मीदों पर दानी फिर गयी। उन्होंने कहा कि इतने बड़े

विशेष विकास पैकेज की हो ठोस घोषणा



विजय छिलरो ने कहा कि नलवाटी क्षेत्र की उपेक्षा अब और बढ़ाश्त नहीं होगी। सरकार को लॉजिस्टिक हब के साथ स्थानीय क्षेत्र के लिए विशेष विकास पैकेज, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की ठोस घोषणा करनी चाहिए, ताकि इस परियोजना का वास्तविक लाभ नागल चौधरी और आसपास के लोगों को मिल सके।

प्रोजेक्ट के उद्घाटन के मोके पर क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं, रोजगार, सड़क, पेयजल, सिंचाई, बिजली और स्थानीय विकास को लेकर कोई ठोस घोषणा न होना बेहद निराशाजनक है। नलवाटी क्षेत्र को हर बार विकास के बड़े दावों के बीच सिर्फ आश्वासन ही मिलते हैं। जजपा जिला प्रवक्ता ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि लॉजिस्टिक हब से स्थानीय युवाओं

को कितने रोजगार मिलेंगे, क्षेत्र के लिए कितनी अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई है और नांगल चौधरी के विकास के लिए विशेष पैकेज क्यों नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्घाटन की औपचारिकता पूरी कर सरकार ने क्षेत्र के लोगों की उम्मीदों को नजरअंदाज कर दिया।

जनता अब सिर्फ फीता काटने और

जाट समाज ने मृत्युभोज और दिखावे वाली रस्सों पर रोक लगाने की बनाई योजना

नांगल चौधरी। समाज को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है कि समय के साथ उन परंपराओं में भी बदलाव किया जाए, जो परिवारों पर आर्थिक बोझ डाल रही हैं। इसी सकारात्मक सोच के साथ जाट समा नांगल चौधरी ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ मुहिम शुरू करने का संकल्प लिया है। जाट धर्मशाला में समा प्रधान कुलदीप जलदार की अध्यक्षता में हुई बैठक में मृत्युभोज तथा सामाजिक समारोहों में लड़कियों की ओर से बर्तन व अन्य उपहार देने जैसी रस्सों पर रोक लगाने को लेकर गंभीर मंथन हुआ। बैठक में तय किया गया कि इन कुरीतियों को समाप्त करने के लिए 20 सितंबर को होने वाली अगली बैठक में ठोस और प्रभावी निर्णय लिया जाएगा। इस पहल को उस समय और मजबूती मिली, जब कालबा ग्रांव के वर्तमान व पूर्व सरपंचों ने अपने गांव से ही सामाजिक सुधार की इस मुहिम की शुरूआत करने की इच्छा जताई। इसे समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि वनों से चली आ रही हार परंपरा को सिर्फ पुरानी होने के कारण जारी रखना जरूरी नहीं है। ऐसी रस्से, जिनसे परिवारों पर अनावश्यक खर्च, कर्ज और दिखावे का दबाव बढ़ता है, उन्हें बढ़ावने की जगह पर एडीआर सेंटर में सांघिती और समाजात को बढ़ावा देकर ही आने वाली पीढ़ी को बेहतर वातावरण दिया जा सकता है। बैठक में भीमसिंह शेठरवत को प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी।

विशेष लोक अदालत में मिली बड़ी सफलता

नारनौल। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया की ओर से 21 से 23 अगस्त तक आयोजित तीन दिवसीय विशेष लोक अदालत समाधान समारोह के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में 21 अगस्त को बड़ी सफलता मिली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी के मार्गदर्शन में एडीआर सेंटर में सर्वोच्च न्यायालय में लंबे समय से लंबित चल रहे तीन मामलों का आपसी सहमति व समझौते से सफल निपटारा कराया गया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे सचिव नीलम कुमारी, संबंधित मामलों के अधिवक्ताओं और दोनों पक्षों के लोगों से संवाद किया। न्यायाधीशों ने दोनों पक्षों की बात सुनी और आपसी सहमति से मामले सुलझाने पर प्रयत्नता जताई। ऐतिहासिक अवसर पर एडीआर सेंटर में संबंधित मामलों के अधिवक्ता और पक्षकार स्वयं मौजूद रहे।

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेन्द्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में लैब से उद्योग तक: चुनौतियां एवं अवसर विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को प्रयोगशाला में विकसित वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचारों को व्यावहारिक औद्योगिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया से अवगत कराना था। कार्यक्रम की विशेषज्ञ वक्ता डॉ. श्रीलक्ष्मी देसीराजू, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रोबायोटिक्सा इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड ने प्रयोगशाला से उद्योग तक शोध परिणामों को ले जाने में उपलब्ध अवसरों एवं चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विपणन की सात प्रमुख प्रक्रियाओं



महेन्द्रगढ़। विधि में संबोधित करते वक्ता।

फोटो: हरिभूमि

बाजार की आवश्यकता की पहचान, लक्षित ग्राहकों की पहचान, मूल्य प्रस्ताव का विकास, बाजार सत्यापन, उत्पाद की स्थिति निर्धारण, बाजार में प्रवेश की रणनीति तैयार करना तथा विस्तार एवं निरंतर सुधार पर प्रकाश डाला।

डॉ. देसीराजू ने कहा कि किसी प्रयोगशाला नवाचार का तकनीकी रूप से सक्षम होना ही उसके सफल व्यावसायीकरण के लिए पर्याप्त नहीं है। नवाचार को वास्तविक ग्राहक

आवश्यकता का समाधान करने के साथ-साथ स्पष्ट एवं प्रभावी मूल्य प्रस्ताव भी प्रस्तुत करना चाहिए। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को नवाचार, उद्यमिता, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा उद्योगोन्मुखी अनुसंधान के महत्व को समझने का अवसर मिला। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की

उन्होंने शैक्षणिक अनुसंधान एवं उद्योग के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्रयोगशालाओं में विकसित नवाचारी विचारों को उपयोगी तकनीकों, उत्पादों एवं सेवाओं में परिवर्तित किया जाना चाहिए। प्रो. पवन कुमार शर्मा, सम-कुलपति ने समाज के लिए अनुवादात्मक अनुसंधान के महत्व को रेखांकित किया तथा प्रतिभागियों को समाज की वास्तविक आवश्यकताओं से जुड़े शोध विषयों पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. सुरेंद्र सिंह, निदेशक, एवं प्रो. विकास बेनीवाल, विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

जिलेमर से
पहुंचते हैं
गंभीर मरीज

हरिभूमि न्यूज ॥ नारनौल

नागरिक अस्पताल के आईसीयू वार्ड में पर्याप्त बेड नहीं होने के कारण गंभीर मरीजों के उपचार में परेशानी सामने आ रही है। अस्पताल का आईसीयू फिलहाल महज छह बेड के सहारे संचालित किया जा रहा है। जिलेभर से गंभीर हालत में मरीज नागरिक अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन आईसीयू में बेड उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में कई मरीजों को उपचार के लिए दूसरे अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। खासकर ऐसे मरीजों के परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिनकी हालत गंभीर होती है और



नारनौल। नागरिक अस्पताल।

फोटो: हरिभूमि

जिन्हें तत्काल गहन चिकित्सा की आवश्यकता होती है। नागरिक अस्पताल जिले का प्रमुख सरकारी अस्पताल होने के कारण यहां महेंद्रगढ़ जिले के विभिन्न क्षेत्रों से

मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। सामान्य मरीजों के साथ-साथ गंभीर अवस्था वाले मरीज भी बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचते हैं। इनमें ऐसे मरीज भी होते हैं, जिन्हें चिकित्सकों की लगातार जरूरत होती है।

यह कहते हैं
चिकित्साधिकारी

डिप्टी एमएस डॉ. विजय सिंह डबास ने बताया कि आईसीयू वार्ड को बखूबी संचालित किया जा रहा है और मरीजों को इसका लाभ मिल रहा है। कई बार गंभीर मरीजों की संख्या अधिक होने पर बेड की समस्या सामने आती है। इसके लिए अस्पताल की ओर से अतिरिक्त बेड की मांग की गई है। अतिरिक्त बेड उपलब्ध होने के बाद गंभीर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करने की क्षमता बढ़ सकेगी और रेफर किए जाने वाले मरीजों की संख्या में भी कमी आने की उम्मीद है। की निगरानी के साथ ऑक्सीजन, रक्तचाप, जीवनरक्षक सुविधाओं की लगातार जरूरत होती है।

गंभीर मरीजों की संख्या अधिक

आईसीयू वार्ड में वर्तमान में केवल छह बेड हैं। अस्पताल आने वाले गंभीर मरीजों की संख्या कई बार उपलब्ध बेड से अधिक हो जाती है। ऐसी स्थिति में चिकित्सकों के सामने भी मरीज को रेफर करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता। कई बार मरीज की हालत अत्यंत गंभीर होने के बावजूद आईसीयू में बेड खाली नहीं होने के कारण उसे दूसरे अस्पताल भेजना पड़ता है। इस स्थिति को लेकर मरीजों के

तिमाशद्वारा में नाराजगी भी देखने को मिलती है। परिजन चाहते हैं कि उनके मरीज का उपचार सरकारी अस्पताल में ही हो, लेकिन आईसीयू में जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण अस्पताल प्रशासन को मजबूरी में रेफर करना पड़ता है। गंभीर मरीजों के मामले में समय पर उपचार बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में रेफर किए जाने के दौरान मरीज और उसके परिजनों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ती है।

24 घंटे दी जाती हैं सेवाएं

नागरिक अस्पताल का आईसीयू 24 घंटे गंभीर रोगियों को सेवाएं देता है। आईसीयू में भर्ती मरीजों के लिए ऑक्सीजन की सुविधा के साथ जीवनरक्षक निगरानी की व्यवस्था रहती है। मरीज के रक्तचाप और ऑक्सीजन स्तर की लगातार निगरानी की जाती है। गंभीर मरीजों के लिए इस प्रकार की सुविधाएं बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। आईसीयू वार्ड का संचालन फिजिशियन चिकित्सक डॉ. जितेंद्र यादव द्वारा किया जा रहा है। वार्ड में भर्ती मरीजों का उपचार और उनकी स्थिति की निगरानी भी चिकित्सकीय व्यवस्था के अनुसार की जाती है। उपलब्ध बेड के आधार पर ही मरीजों को आईसीयू में भर्ती किया जाता है।

निजी अस्पतालों में
उपचार का खर्च बढ़ता है
आर्थिक बोझ

आईसीयू की सुविधा की जरूरत पड़ने पर मरीजों के सामने सरकारी अस्पताल के अलावा निजी अस्पतालों का विकल्प भी रहता है। निजी अस्पतालों में आईसीयू उपचार का खर्च सामान्य उपचार की तुलना में काफी अधिक होता है। गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज के परिवार पर पहले ही उपचार का आर्थिक बोझ रहता है। ऐसे में सरकारी अस्पताल में आईसीयू बेड उपलब्ध नहीं होने पर निजी अस्पताल में उपचार करना कई परिवारों के लिए आर्थिक रूप से मुश्किल हो जाता है।

खबर संक्षेप

बढ़ती महंगाई से बिगड़ा
आम आदमी का बजट

मंडी अटेली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने बढ़ती महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चीनी, दाल, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लगातार बढ़ते दामों ने गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। महेंद्र सिंह राता ने कहा कि रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का सीधा असर लोगों की रसोई और घरेलू बजट पर पड़ रहा है। चीनी जैसी आवश्यक वस्तु के दाम बढ़ने से हर परिवार प्रभावित होता है। सरकार की गन्ने के इस्तेमाल एवं एथेनॉल उत्पादन संबंधी नीति की समीक्षा करने की मांग करते हुए कहा कि किसानों के हितों के साथ उपभोक्ताओं के हितों का भी संतुलन बनाया जाना चाहिए।

सैनी सभा में राधा-कृष्ण
झूलन उत्सव मनाया

महेंद्रगढ़। इस्कॉन द्वारा आज सैनी सभा में सावन मास के पावन अवसर पर श्री राधा-कृष्ण झूलन उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास व भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से इस्कॉन बहादुरगढ़ से आए परम प्रभु ने अपनी मधुर वाणी में कीर्तन व भागवत कथा से सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोलक-मृदंग की थाप पर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों ने हरे कृष्ण महामंत्र का संकीर्तन किया। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने श्री राधा-रानी और भगवान श्री कृष्ण को फूलों से सजे झूले में झुला झुलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस्कॉन महेंद्रगढ़ के प्रवक्ता राजवीर उर्फ राजू सोनी ने बताया कि इस अवसर पर विशेष रूप से झूले को आकर्षक फूलों से सजाया गया था।

शिव कुटी मंदिर में गूंज
रही श्रीराम धुन

नारनौल। श्रावण मास को भक्ति और आस्था का मास माना जाता है। सावन के पवित्र महीने में जहां एक ओर भोले भक्त हरिद्वार से कावड़ में गंगाजल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर प्रभु श्रीराम की मधुर धुन कानों में भक्ति का रस घोल रही है। शहर की पुरानी सराय स्थित प्रसिद्ध शिव कुटी मंदिर परिसर में पूरे श्रावण मास से श्रीराम धुन का अखंड पाठ चल रहा है। मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया है और पूरे दिन राम नाम की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। यह धार्मिक आयोजन मुख्य यजमान सुरेंद्र बोहरा परिवार की ओर से करवाया जा रहा है। पुजारी योगेश शर्मा व राहुल शास्त्री के सानिध्य में सैकड़ों भक्तगण प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति भाव से प्रभु श्रीराम का गुणगान कर रहे हैं।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नंबरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुस्ना पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- सत्य लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फ़ोन : 8295738500, 9253684005

मांगों नहीं मानी तो आंदोलन और तेज करने की चेतावनी, विधायक के आवास पर सौंपा मांगपत्र

मांगों के
समर्थन में
सहयोग की
अपील

हरिभूमि न्यूज ॥ नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर परिषद कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 18वें दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने इकाई प्रधान भूपेंद्र सिंह सारवान के नेतृत्व में शहर के प्रमुख बाजारों एवं आजाद चौक में प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारी आजाद चौक पहुंचे, जहां संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह संगेलिया ने शहरवासियों से उनकी मांगों के समर्थन में सहयोग की अपील की। कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए विधायक ओमप्रकाश यादव के आवास पर पहुंचे और उन्हें मांगपत्र सौंपकर मुख्यमंत्री तक कर्मचारियों की मांगें पहुंचाने तथा समाधान करवाने की मांग की। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल अब शहर की सफाई व्यवस्था के साथ-साथ आम लोगों के लिए भी परेशानी का कारण बनती जा रही है। शहर व चौराहों पर कूड़े के ढेर नजर आने लगे हैं। जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है।



नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव को ज्ञापन सौंपते सफाई कर्मचारी।

फोटो: हरिभूमि

13 मई के समझौते को लागू करने की मांग

राज्य कैशियर महेंद्र सिंह संगेलिया ने कहा कि 13 मई 2026 को चंडीगढ़ में हरियाणा सरकार और नगर पालिका कर्मचारी संघ की राज्य युनियन के बीच बैठक हुई थी। इसमें निकाय मंत्री विपूल गोयल, निदेशक तथा मुख्य सचिव राजेश खुल्लर सहित अधिकारियों की मौजूदगी में कर्मचारियों की 22 मांगों में से 17 मांगें मानने

पर सहमति बनी थी। सरकार ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने सहित अन्य मांगों को पूरा करने के लिए 30 दिन का समय मांगा था। कर्मचारी संघ ने सरकार को 40 दिन का समय भी दिया, लेकिन इसके बावजूद मांगों को लागू करने के लिए परिपत्र जारी नहीं किया गया। इसके विरोध में कर्मचारी 6 अगस्त से हड़ताल पर हैं।

प्रदर्शन में
ये कर्मचारी
रहे मौजूद

प्रदर्शन में पूर्व सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र बोयत, नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान राहुल सिंह, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कोशल यादव, इकाई सचिव महेंद्र दायमा, इकाई कैशियर मनोज बोयत सहित भीम सिंह, महावीर प्रसाद, रमेश कुमार, निरंजन लाल, दीपक कुमार, लखन सरचाण, कमल सिंह, विकी, नरेंद्र, नीरज, रजनीश, संतलाल, बिट्टू, प्रदीप, आशीष, अशोक, मनोज, देवी, पूनम, मंजू, उर्मिला, निर्मला, सुनीता, बबली, ममता सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

दैनिक रेलयात्री महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ॥ महेंद्रगढ़

दैनिक रेलयात्री महासंघ ने रेलमंत्री, महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे, डीआरएम के नाम स्टेशन मास्टर सतिता यादव को ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से महासंघ के अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि पहले सूरतगढ़-हनुमानगढ़-सादुलपुर-वाया रेवाड़ी चलने वाली ट्रेन का पुनः संचालन शुरू करने की मांग की है। महासंघ ने बताया कि सूरतगढ़ से सादुलपुर होते हुए रेवाड़ी तक चलने वाली यात्री ट्रेन आज तक दोबारा शुरू नहीं हुई है। सूरतगढ़ से रेवाड़ी तक चलने वाली यह ट्रेन क्षेत्र के यात्रियों के लिए काफी महत्वपूर्ण थी। इसके माध्यम से राजस्थान और हरियाणा के कई कस्बों व शहरों के बीच लोगों को आवागमन की सुविधा मिलती थी। ट्रेन बंद होने के कारण आम यात्रियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और मजदूर वर्ग को परेशानी का सामना



महेंद्रगढ़। मांगों को लेकर स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

गोगानेड़ी मेले के लिए चलेंगी स्पेशल रेलगाड़ी

गोगानेड़ी मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे की ओर से विशेष रेल सेवा संचालित की जाएगी। गाड़ी संख्या 04791 आगामी 31 अगस्त से 9 सितंबर तक महेंद्रगढ़ से सुबह 6:50 बजे गोगानेड़ी के लिए रवाना होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 54309-10 महेंद्रगढ़ से हिसार तथा हिसार से वाया महेंद्रगढ़ रेवाड़ी होते हुए सादुलपुर तक आवागमन करेगी। इसके अलावा गाड़ी संख्या 54315-16 आगामी 28 अगस्त से 26 सितंबर तक सादुलपुर तक संचालित होगी। इससे मेले में जाने वाले यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि सूरतगढ़ से रेवाड़ी तक चलने वाली यह ट्रेन हरियाणा और राजस्थान को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण रेल सेवा थी। महासंघ ने रेलवे उच्च अधिकारियों से मांग की कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में

रखते हुए ट्रेन का संचालन शीघ्र बहाल किया जाए। महासंघ ने प्रधानमंत्री, रेल मंत्री, रेलवे बोर्ड, उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों, सांसद महेंद्रगढ़-भिवानी तथा हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन की प्रतियां भेजी हैं।

जन्मदिन पर आयोजित शिविर
में 35 ने किया रक्तदान

नारनौल। नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की ओर से नागरिक अस्पताल में राधव गोविंदा, गुंजन जैन, रिद्धिमा जैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी नरेश पटौकरा ने शिरकत की। नरेश पटौकरा ने बताया कि खून किसी फैक्ट्री में नहीं बनता, यह तो मानव शरीर से ही बनता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमिमन्यू सिंह यादव पूर्व ओएसडी मुख्यमंत्री ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार एडीओ, जेपी सोनी रहे। नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की ओर से यह 50वां रक्तदान शिविर था। जिसमें युवाओं ने बड़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर संस्था सदस्य मनीष गर्ग ने बताया कि शिविर संस्थापक मनीष गोविंदा की अगुवाई में सम्पन्न हुआ। जिसमें शहर एवं गांव के युवाओं के अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इस दौरान 35 युवाओं ने रक्तदान किया। जिन्हें मेडल देकर उत्साहवर्धन किया गया। मनीष गोविंदा ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य यही है कि जिले में किसी भी मरीज को रक्त की कमी के कारण परेशानी न उठानी पड़े।



नारनौल। विधायक मंजू चौधरी को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी।

नए वोट बनाने के लिए सतनाली में
29 व 30 को लगेगे विशेष शिविर

हरिभूमि न्यूज ॥ सतनाली मंडी

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 विशेष अभियान कार्य के अंतर्गत एसडीएम आईएएस योगेश सैनी के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए सुपरवाइजर विजय कुमार पारीक ने विभिन्न बूथों और गांव का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने अपील की कि एसआईआर के अंतर्गत जिन लोगों को चुनाव आयोग की ओर से नोटिस मिला है, वह अपने उचित डाक्यूमेंट्स लेकर के बीएलओ से जल्दी से जल्दी मिले, ताकि डॉक्यूमेंट के अभाव में किसी का वोट फाइनल लिस्ट में आने से न रह जाए। उन्होंने बताया कि नया वोट बनवाने के लिए फॉर्म नंबर छह और वोट में शुद्धिकरण करवाने के लिए फॉर्म नंबर आठ भरकर संबंधित बीएलओ को दें। उन्होंने बताया कि रविवार को सतनाली के बूथ नंबर आठ पर बीएलओ विनोद कुमार, बूथ नंबर नौ पर सीमा, बूथ नंबर 10 पर प्रेमपाल, बूथ नंबर 11 पर संतोष, बूथ नंबर 12 पर पुत्तू सिंह, बूथ नंबर 13 पर प्रियंका, बूथ नंबर 14 पर योगेंद्र सिंह तथा सतनाली बास के बूथ



सतनाली मंडी। निरीक्षण के दौरान बूथ पर बीएलओ के साथ सुपरवाइजर विजय पारीक। फोटो: हरिभूमि

नंबर 20 पर सुनील कुमार, बूथ नंबर 21 पर संजय कुमार व बीरसिंह बास के बूथ नंबर 22 पर राजसिंह बीएलओ से फॉर्म नंबर छह, फॉर्म नंबर सात और फॉर्म नंबर आठ प्राप्त किए। विजय कुमार पारीक ने बताया कि इस विशेष अभियान के अंतर्गत पहले दिन लगभग 51 फॉर्म प्राप्त हुए, जिसमें फॉर्म नंबर छह के 32 फॉर्म और फॉर्म नंबर सात का एक फॉर्म और फॉर्म नंबर आठ के 17 फॉर्म प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि 29 व 30 अगस्त को भी इसी प्रकार बूथों पर बीएलओ नए वोट बनाने व शुद्धिकरण का कार्य करेंगे।

जॉब सिक्योरिटी, नियुक्ति पत्र जारी करने में हो रही देरी पर मड़के बिजली कर्मचारी

विधायक को सौंपा ज्ञापन, पंचकूला में घेराव 27 को

हरिभूमि न्यूज ॥ नारनौल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशव्यापी आह्वान पर अनुबंधित कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर नांगल चौधरी विधायक मंजू चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

संगठन के सब डिवीजन अध्यक्ष आजाद एवं सचिव कर्मवीर पहलवान के नेतृत्व में कर्मचारियों ने यह ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें कर्मचारियों ने जॉब सिक्योरिटी, नियुक्ति पत्र जारी करने में हो रही देरी, विभागीय स्तर पर सत्यापन



नारनौल। विधायक मंजू चौधरी को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी।

फोटो: हरिभूमि

प्रक्रिया में आ रही समस्याओं, समान कार्य के लिए समान वेतन तथा अन्य लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया। इसके बावजूद लंबे समय से कर्मचारियों को केवल

आश्वासन मिल रहे हैं और वास्तविक कार्रवाई नहीं हो रही। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कर्मवीर जाखड़ ने कहा कि सरकार की बार-बार की वादाखिलाफी और मांगों के

समाधान में हो रही देरी के चलते कर्मचारियों में भारी रोष है। यदि पात्र अनुबंधित कर्मचारियों की जांच एवं सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए और लंबित

मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 27 अगस्त को एसोएस (विद्युत) कार्यालय पंचकूला का घेराव कर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कर्मवीर जाखड़, भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष आशीष गोरा, जिला सचिव चितामणि गुप्ता, जिला कार्यकारी अध्यक्ष उमेश जांगिड़, यूनिट प्रधान रामोतार यादव, रोशनलाल, देवेन्द्र यादव, कपिल यादव, अजीत, अनूप, प्रवीण, राजकुमार, छोटेलाल, दिनेश भार्गव, नरेंद्र सोनी, सुधराम, राजवीर सक्तीर, राजेश, बलविंद, मनजोत, विक्रम राठी, मनोज, बलवंत, अशोक, रामानंद, हेमंत, प्रदीप, ज्ञानीराम, कर्मवीर, सतपाल, महिपाल, वीरेंद्र, रणसिंह, सोनू आदि कर्मचारी मौजूद रहे।